

अस्थाई पदे पुढे चालू ठेवण्यास
मुदतवाढ देणेबाबत-
जिल्हा व सत्र न्यायालय, यवतमाळ
दि.०१.०९.२०२० ते दि. २८.०२.२०२१
या कालावधीसाठी...

महाराष्ट्र शासन
विधि व न्याय विभाग
शासन निर्णय क्रमांक: पदनि- २०२०/प्र.क्र. २८/का.१२
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२.
दिनांक :- १८ सप्टेंबर, २०२०.

- वाचा :-** (१) शास निर्णय, विधि व न्याय विभाग, क्रमांक एचसीटी-१००२/१२८९(१६२)नऊ/चार
दिनांक ०८.०९.२००३
(२) शासन निर्णय, वित्त विभाग क्रमांक पदनि- २०१६/प्र.क्र. ८/१६/आ.पु.क.,
दिनांक ३१.०८.२०२०
(३) शासन निर्णय, विधि व न्याय विभाग, पदनि-२०२०/प्र.क्र. २८/का.१२
दिनांक २८.०२.२०२०
(४) प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधिश, जिल्हा व सत्र न्यायालय, यवतमाळ यांचे पत्र
जा.क्र.२१५३/आस्था/२०२०, दिनांक ०६.०८.२०२०

शासन निर्णय :-

संदर्भाधीन दिनांक २८.०२.२०२० रोजीच्या शासन निर्णयान्वये जिल्हा व सत्र न्यायालय यवतमाळ, यांच्या आस्थापनेवरील १४५ अस्थायी पदांना दिनांक ३१.०८.२०२० पर्यंत मुदतवाढ देण्यात आली आहे. संबंधित न्यायालयांचे कामकाज सुरळीत सुरु राहण्यासाठी खाली दर्शविलेल्या तक्त्यात नमूद केल्यानुसार उर्वरित १४५ अस्थायी पदांना दि. ०१.०९.२०२० ते २८.०२.२०२१ पर्यंत मुदतवाढ देण्यात येत आहे.

| अ.क्र | पदनाम | दि.३१.०८.२०२० पर्यंत मुदतवाढ दिलेली पदे | दि.०१.०३.२०१९ ते २९.०२.२०२० मध्ये नव्याने निर्माण केलेली पदे | शासन निर्णय क्रमांक व दिनांक | दि. ०१.०९.२०२० ते २८.०२.२०२१ पर्यंत मुदतवाढ द्यावयाची पदे |
|-------|------------------|---|--|--|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| १ | अधिक्षक | २ | | शासन ज्ञापन, विधि व न्याय विभाग, क्र.कंत्राटी | २ |
| २ | सहायक अधिक्षक | ९ | | २६१७/प्र.क्र.१४२/का.१२, | ९ |
| ३ | लघुलेखक उ.श्रे. | १ | | दि.२५.११.२०१९ अन्वये | १ |
| ४ | लघुलेखक नि.श्रे. | ९ | | जिल्हा व सत्र न्यायालय, | ९ |
| ५ | टंकलेखक | ० | | यवतमाळ व | ० |
| ६ | वरिष्ठ लिपिक | २१ | | नियंत्रणाखालील न्यायालयांसाठी सफाईगार पदाचे काम कंत्राटी | २१ |

| | | | | | |
|----|-------------------|------------|---|---|------------|
| ७ | कनिष्ठ लिपिक | ५१ | | पद्धतीने बाह्ययंत्रणेद्वारे करून घेण्यासाठी क्षेत्रफळनिहाय निविदेस प्रशासकीय मान्यता देण्यात आली आहे. | ५१ |
| ८ | सफाईगार | ७ | | | ७ |
| ९ | कंत्राटी सफाईगार | ० | ३ | | ० |
| १० | वाहन चालक | १ | | | १ |
| ११ | पहारेकरी | ३ | | | ३ |
| १२ | कंत्राटी पहारेकरी | ३ | | | ३ |
| १३ | मुख्य बेलिफ | ३ | | | ३ |
| १४ | बेलिफ | १७ | | | १७ |
| १५ | पुस्तक बांधणीकार | १ | | | १ |
| १६ | शिपाई | १७ | | | १७ |
| | एकूण | १४५ | | | १४५ |

२. विधि व न्याय विभाग कार्यासन ९ यांचेकडून मुदतवाढ मिळणारी १ टंकलेखक, १ कनिष्ठ लिपिक व १ शिपाई पदे या शासन निर्णयातून वगळली आहेत.

३. यासाठी येणारा खर्च "२०१४-न्यायदान" या मुख्य लेखाशीर्षाखाली १०५ (दोन) जिल्हा व सत्र न्यायाधिश, "१०५ (तीन) दिवाणी न्यायाधिश" व "१०८ फौजदारी न्यायालये" यापैकी योग्य त्या लेखाशीर्षाखाली खर्ची टाकण्यात यावा व त्या लेखाशीर्षाखालील संबंधित वित्तीय वर्षासाठी मंजूर अनुदानातून भागविण्यात यावा.

४. सदर शासन निर्णय, वित्त विभाग, शासन निर्णय क्रमांक विअप्र-२०१३/प्र.क्र.३०/२०१३/ विनियम,भाग-२, दिनांक १७.०४.२०१५ नुसार वित्तीय अधिकार नियम पुस्तिका, १९७८ भाग पहिला, उपविभाग-तीन मधील अ.क्र. ४ चा परिच्छेद क्र. २७ (२)(क) अन्वये तसेच वित्त विभागाच्या शासन निर्णय क्रमांक पदनि-२०१६/प्र.क्र.८/१६/आ.पु.क., दिनांक ३१.०८.२०२० अन्वये प्रशासकीय विभागांना प्रदान केलेल्या अधिकारान्वये निर्गमित करण्यात येत आहे.

५. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०२००९१८१४५९२४७६१२ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून काढण्यात येत आहे .

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

(योगेश आमेटा)

विधि सल्लागार-नि-सह सचिव , महाराष्ट्र शासन.

प्रत:-

१. महाप्रबंधक, मा.उच्च न्यायालय, मुंबई .

२. प्रबंधक (निरीक्षणे-१) , मा. उच्च न्यायालय, मुंबई.
३. प्रबंधक, मा.उच्च न्यायालय मुंबई, खंडपीठ नागपूर, औरंगाबाद .
४. महालेखापाल -(लेखा व अनुज्ञेयता)- एक, महाराष्ट्र मुंबई
५. महालेखापाल -(लेखापरीक्षा)-एक, महाराष्ट्र मुंबई
६. महालेखापाल -(लेखा व अनुज्ञेयता)- दोन, महाराष्ट्र नागपूर
७. महालेखापाल -(लेखापरीक्षा)- दोन, महाराष्ट्र नागपूर
८. सह सचिव, विधि व न्याय विभाग, नागपूर, औरंगाबाद
९. प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधिश, यवतमाळ
१०. जिल्हा कोषागार अधिकारी, यवतमाळ
११. उप कोषागार अधिकारी, यवतमाळ
१२. वित्त विभाग/आ.पु.क., व्यय-५, अर्थसंकल्प ११, मंत्रालय, मुंबई.
१३. विधि व न्याय विभाग, कार्यासन २३ व २४.
१४. निवड नस्ती.